

人间忘忧一两酒

1 = B $\frac{4}{4}$

♩ = 106

(根据南昭演唱音频记谱)

石 见 词
卢 润 泽 曲
岭南印象 制谱

(3 5 | 6 . 5 6 3̇ 2̇ i | 5 6 5 3 5 6 3 3 | 2 . 3 5 3 6 5 | 3 - - 3 5 | 6 . 5 6 3̇ 2̇ i |
2̇ . 3̇ i 6 i 0 5 | 6 . 5 6 3̇ 2̇ i 5 | 6 - - -) | 6 3 3 6 1 2 1 1 | 3 2 1 1 0 2 1 6 0 |

人生一共几万天，似夏虫活一遍，

6 . 1 2 3 5 6 5 2 | 3 - - 0 2 | 3 5 6 0 2 3 2 2 0 | 1 . 2 5 6 6 1 6 0 |

愁情烦事我先放一边。秋来赏月冬看雪，春放纸鸢夏好眠，

6 . 1 2 3 2 1 6 1 | 6 - 0 6 1 || : 3 2 1 2 3 5 | 6 5 6 6 6 1 | 2 3 2 1 2 5 2 |

光阴似箭愿似活神仙。1.2.柳林中敬苍天，女儿红敬姻缘，饮杜康它将我烦恼

3 - - 3 5 6 | 6 5 6 2 5 3 | 5 5 2 1 6 . 5 | 6 1 2 3 5 3 3 5 | 6 - - 3 5 |

解。杏花雨醉心田，一碗醴醉也甜，微醺后我不挂念不埋怨。我馋

6 6 5 6 3̇ 2̇ i | 5 6 5 3 5 6 5 3 | 2 2 3 5 3 6 5 | 3 - - 3 5 | 6 6 5 6 3̇ 2̇ i |

*这人间忘忧一两酒，咪一口且与你欲语还休，莫贪那五花马儿

5 6 5 3 5 6 5 3 | 2 2 3 5 5 i | 6 - - 3 5 | 6 6 5 6 3̇ 2̇ i | 5 6 5 3 5 6 5 3 |

千金裘，转眼就皆成空何须愁。我馋这人间忘忧一两酒，意渐

2 2 3 5 3 6 5 | 3 - - 3 5 | 6 6 5 6 3̇ 2̇ i | 5 6 5 3 5 6 5 3 | 2 2 3 5 i |

浓一番滋味在心头，管吴钩收不收关山五十州，换美酒勾销我情

1.
6 - - - | (6 6 5 6 5 6 3̇ 2̇ i | 5 6 5 3 5 6 3 3 | 2 . 3 5 3 6 5 | 3 - 5 6 1 2 2 3 5 6 |

仇。

3 . 3̇ 2̇ 2̇ - | 3̇ 5̇ 3̇ 6̇ - | 0 3̇ 2̇ i 7 . i i 7 | 6 - -) 6 1 : || 6 - - 3 5 ||

2.柳林仇。我馋 D.S.

结束句
6 - - - | (6 6 5 6 3̇ 2̇ 0 | 2̇ . i 2̇ 5̇ 3̇ 0 | 6 . i 2̇ 3̇ 2̇ 2̇ i 7 5 | 6 - - 0) ||

仇。